পাঠ 11
পাঠ

পুরনো দিনের কথা

প্রসাদ : ধীরেন কি খবর, কবে এলে?

ধীরেন : এম্প তো, গত শুক্রবার এলাম।

প্রসাদ : ভুবনেশ্বরের খবর কি?

ধীরেন : এখন আর সেদিন নেম্প। দিনকাল একেবারে পাল্টে গেছে। মনে আছে, আমরা আপনার গৌতম নগরের বাড়িতে কি মজা করতাম! তখন আপনি একাম্প থাকতেন। প্রত্যেক রবিবার আমরা বিভিন্ন বিষয়ে খুব আলোচনা করতাম।

প্রসাদ : তুমি তো প্রায়ম্প তর্কে হারতে আর রেগে যেতে। শুধু আলোচনা নয়, মাঝে মাঝে কেমন খাওয়া দাওয়াও করতাম।

ধীরেন : তখনকার দিনকাল একরকম ছিল।

वे बीते दिन

प्रसाद : धीरेन, क्या हालचाल है, कब आए?

धीरेन : अभी पिछले शुक्रवार को ही आया हूँ।

प्रसाद : भुवनेश्वर का क्या हाल है?

धीरेन : अब वे दिन नहीं रहे। सब कुछ बदल गया है। याद है, हम आपके गौतम नगर वाले घर में क्या मज़े लेते थे! तब आप वहाँ अकेले ही रहते थे। हर रविवार को हम लोग विविध विषयों पर खूब चर्चा करते थे।

प्रसाद : तुम अक्सर बहस में हार जाते थे और गुस्सा हो जाते थे। केवल बहस ही नहीं, बीच-बीच में हम खाते पीते भी थे।

धीरेन : उस समय के दिन ही ऐसे थे। सब

তখন জিনিসপত্র সস্তায় পাওয়া যেত। তখন সামান্য মাইনের চাকরী করতাম। কিন্তু সংসার চালাতে কোনো অসুবিধা হত না। এমনকি বাড়ী ভাড়াও কম ছিল।

প্রসাদ : তা ঠিক। তখনকার সঙ্গে এখনকার তুলনাই হয় না। মাছ, মাংস, দুধ, তরি-তরকারী সবই তখন সস্তা ছিল। চার টাকা লিটার দরে খাঁটি দুধ পেতাম। দুধে কেউ জল মেশাতো না। আর এখন? এখন দুধ বারো টাকা লিটারে কিনি। তাও খাঁটি নয়।

ধীরেন : এখন আর কোনো জিনিসই খাঁটি নেই। সব জিনিসেই ভেজাল। সত্যি আমরা ঐসব দিনে কতো আনন্দে ছিলাম!

वस्तुएँ सस्ती मिलती थी। तब मैं सामान्य आय की ही नौकरी करता था। किन्तु जीवन चलाने में कोई कठिनाई नहीं होती थी। मकान का किराया भी कम था।

प्रसाद : बिलकुल ठीक है। उस समय के साथ आज की तुलना नहीं होती। मछली, मांस, दूध, साग-सब्जी सभी कुछ उस समय सस्ता ही था। चार रुपये लीटर की दर से शुद्ध दूध मिलता था। दूध में कोई पानी नहीं मिलाता था। अब तो दूध बारह रुपये में एक लीटर खरीदता हूँ। वह भी शुद्ध नहीं मिलता।

धीरेन : अब तो कोई वस्तु ही शुद्ध नहीं। सभी वस्तु में मिलावट है। सच में उन दिनों हम कितने आनंद में रहते थे!

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
এলাম	आया
সেদিন	उन दिनों
পাল্টে	बदल गया
আলোচনা	चर्चा

তর্ক	बहस
প্রত্যেক	प्रत्येक
রাগ	क्रोध
জিনিসপত্র	वस्तुएँ
সস্তায়	सस्ते में
পাওয়া	मिलना
চাকরি	नौकरी
মাছ	मछली
মাংস	मांस
চার	चार
দর	दाम
খাঁটি	शुद्ध

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए :

1. সে রোজ পড়ত। (খেলত, বেড়াত)
2. আমি বাংলা কাগজ নিতাম। (পড়তাম, দেখতাম)
3. তুমি কি হরিদ্বারে থাকতে? (দিল্লীতে, দেরাদুনে)
4. আমরা রোজ কাগজ পড়তাম। (বই, পত্রিকা)
5. তিনি রোজ হাঁটতেন। (বেড়াতেন, ঘুরতেন)

II. কোষ্ঠক में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ঘুমোতাম, পড়ত, বেড়াতো, থাকতেন, খেতেন)

1. রমা রোজ বিকেলে _____ ।
2. আমি আগে দুপুরে _____ ।
3. সে খবরের কাগজ _____ ।
4. তিনি বেশী খাবার _____ ।
5. আপনি কি পূর্বপল্লীতে _____ ?

III. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি রোজ খেলতাম।
2. তুমি ছবি আঁকতে।
3. আপনি দেরীতে ফিরতেন।
4. আমি রোজ সকালে গানের অভ্যাস করতাম।
5. রমা সবার সঙ্গে ঝগড়া করত।

IV. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

1. খেলায়, রেগে, তুমি, যেতে, আর, প্রায়ম্প, হারতে।
2. আর, নেম্প, সেদিন, একেবারে, গেছে, এখন, দিনকাল, পাল্টে।
3. এখনকার, হয়, তখনকার, মাছ, না, সঙ্গে, দুধ, সবম্প, মাংস, ছিল, সস্তা, তরি-তরকারী, তখন, তুলনাম্প।

V. কোষ্ঠক में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ছেলেরা মাঠে _____ । (খেলত, খেলেছে)

2. চাষীরা চাষ ______________ । (করল, করত)

3. শিক্ষকমশাম্প ______________ । (লিখতেন, লিখেছেন)

4. রাজু কেবল ______________ । (খেলল, খেলত)

5. দিনেশ রোজ রেডিও ______________ । (শুনতো, শুনালো)

VI. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. তোমরা কি বাসে করে ______________ ?

2. শুক্লা রোজ বাংলা অভ্যাস ______________ ।

3. আগে আমি রোজ সকালে ______________।

4. আগে কমলবাবু রোজ বেলা পর্যন্ত ______________ ।

5. প্রতিদিন উনি ঠিক সময়ে ______________ না।

VII. नीचे दिए गए प्रश्नों के स्वीकारात्मक एवं निषेधात्मक उत्तर दीजिए।

1. তুমি কি ফুটবল খেলা দেখো?

2. আপনি কি রোজ সকালে বাজারে যান?

3. ঐটা কি আপনার নিজের বাড়ি?

4. তোমরা কি পূজোর ছুটিতে বেড়াতে যাচ্ছো?

5. আপনি কি নিয়মিত খবরের কাগজ পড়েন?

VIII. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

উদাহরণ : বিজয়া রোজ ভোর পাঁচটার সময় উঠে হারমোনিয়ম বাজিয়ে গান করে।

(1) বিজয়া কি করে?

(2) বিজয়া কখন উঠে গান করে?

(3) বিজয়া কি বাজিয়ে গান করে?

(4) বিজয়া কি রোজ গান করে?

1. আমরা গতকাল বন্ধুরা মিলে বিকেল ৪টের সময় মোহনবাগান ও স্পষ্টবেঙ্গলের ফুটবল খেলা দেখতে মাঠে গিয়েছিলাম।
2. আমি গীটার বাজিয়ে সন্ধ্যে সাতটার সময় গান করেছি।
3. সুস্মিতা রোজ সকালে নদীর ধারে বেড়াতে যায়।

पढ़िए और समझिए।

আমাদের ছেলেবেলা हमारा बचपन

ছোটবেলায় আমি গ্রামে থাকতাম। আমাদের গ্রামটি শহর থেকে অনেক দূরে। তাস্প কোনো কোলাহল ছিল না। আমাদের বাড়ির কাছেস্প একটা চণ্ডীমণ্ডপ ছিল। সেখানে পাঠশালা বসত। আমি সেখানে পড়তে যেতাম। একজনস্প শিক্ষক মশাস্প ছিলেন। তিনি সুর করে নামতা পড়াতেন আমরাও তাঁর সুরে সুরে তা আওড়াতাম। মাঝে মাঝে মাস্টার মশাস্প বাড়ির কাজ করার জন্যে কিছুক্ষণের জন্যে চলে যেতেন। তখন আমাদের খুব মজা হত। আমরা তখন খেলতাম। এখনকার মতো পড়াশোনার এত চাপ ছিল না। আমাদের সময়ে ছোট ছোট ছেলে-মেয়েরা খেলা ধুলো করতে যথেষ্ট সময় পেত জীবনের অনেক শিক্ষাস্প তখন পরিবেশ থেকে আমরা পেতাম। এখনকার মতো বস্প মুখস্থ করে নয়।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
ছৌবেলায়	बचपन में
গ্রামে	गाँव में
থাকতাম	रहते थे
কোলাহল	शोरगुल, कोलाहल
চণ্ডীমণ্ডপ	पूजा का मंडप
নামতা	पहाड़ा
যথেষ্ট	यथेष्ट, पर्याप्त
পেতাম	प्राप्त होना
মুখস্থ	कंठस्थ

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পাঠশালা কোথায় বসত?
2. পাঠশালায় কতজন শিক্ষক ছিলেন?
3. মাস্টার মশাস্প বাড়ি চলে গেলে ছাত্ররা কি করত?
4. পড়াশোনার চাপ কেমন ছিল?
5. তখনকার দিনে ছাত্ররা স্কুলের বাস্পরে কিভাবে শিক্ষা পেত?

II. उदाहरण के अनुसार नये शब्द बनाइए।

उदाहरण : বসল বসত

1. গেলেন
2. দেখল
3. লিখলাম
4. খেললেন

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমরা কয়েক বছর আগে পুরী বেড়াতে গিয়েছিলাম। তখন আমি অষ্টম শ্রেণীতে পড়ি। সেম্প সময় পুরীর পরিবেশ খুবম্প শান্ত ছিল। সমুদ্রের ত ও খুব পরিষ্কার পরিচ্ছন্ন ছিল। আমরা বহুক্ষণ পর্যন্ত সমুদ্রের ধারে বসতাম। সেখানে অাঁ কলেজের কয়েকি ছেলে বালি দিয়ে খুব সুন্দর সুন্দর মূর্তি তৈরী করছিল। পুরীর সমুদ্র থেকে জগন্নাথ মন্দির বেশ দূরে। আমরা রিক্সায় চেপে মন্দিরে পূজো দিতে যেতাম। মন্দিরে কিন্তু যথেষ্ট কোলাহল শোনা যেত। তাও খুবম্প ভাল লাগত। পুরীর স্মৃতি আমি আজও ভুলিনি ।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

भारत गाँवों का देश है। यहाँ शहर कम और गाँव अधिक हैं। इसलिए गाँवों का विकास भारत का विकास है। एक समय था जब गाँव बहुत छोटे-छोटे होते थे।

रास्ते कच्चे और ऊबड़ खाबड़ होते थे। मकान भी कच्चे होते थे। आवागमन के साधन नहीं होने के कारण लोग पैदल आते जाते थे। गाँव पिछड़े हुए थे। लेकिन लोगों का परस्पर व्यवहार अच्छा रहता था। वातावरण शुद्ध था। आज गाँव पहले जैसे नहीं है। बहुत कुछ बदला है। रास्ते पक्के बने हैं। मकान भी पक्के बने हैं। आबादी भी बढ़ गई है। गाँव कृषि में प्रगति कर रहे हैं। उनका जीवन स्तर सुधर रहा है। यह प्रसन्नता की बात है कि, हमारे गाँव विकास कर रहे हैं। गाँवों में शिक्षा और स्वास्थ्य में भी प्रगति हुई है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

গ্রামে চণ্ডীমণ্ডপ শিক্ষিকা মজা শহরে দূরে

কোলাহল	সুর	ছৌ	কাছে	চাপ	বড়
কিছুক্ষণ	এখানে	শিক্ষক	তাল	সেখানে	খেলতাম

VI. अपने निकट के किसी बड़े शहर के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में स्वाभाविक (नियमित रूप से होनेवाली) भूतकालिक क्रियारूपों का प्रयोग दिखाया गया है। किसी धातु का स्वाभाविक भूतकाल रूप बनाने के लिए धातु के तिर्यक रूप में 'ত' (त) जोड़कर उसके बाद भूतकालिक पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़ते हैं। जैसे :

আমি খেলতাম।	(খেল + ত + আম)	मैं खेलता था/खेलती थी।
আপনি/তিনি খেলতেন।	(খেল + ত + এন)	आप/वे खेलते थे/खेलती थीं।
তুমি খেলতে।	খেল + ত + এ)	तुम खेलते थे/खेलती थी।
তুম্প খেলতিস।	খেল + ত + ম্পস)	तू खेलता था/खेलती थी।
সে খেলতো।	খেল + ত + ও)	वह खेलता था/खेलती थी।

उपर्युक्त क्रियाओं के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए उन के बाद में 'না' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

আমি খেলতাম না	मैं नहीं खेलता था/नहीं खेलती थी।
আপনি / তিনি খেলতেন না।	आप/वे नहीं खेलते थे/नहीं खेलती थीं।
তুমি খেলতে না।	तुम नहीं खेलते थे/नहीं खेलती थी।
তুম্প খেলতিস না।	तू नहीं खेलता था/नहीं खेलती थी।

সে / ও / এ খেলতো না। वह/यह नहीं खेलता था/नहीं खेलती थी।